



36303

Reg. No.

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|

III Semester B.C.A. Degree Examination, March-2021  
HINDI  
Drama, Vigyapan Lekhan & Sankshepan  
(Semester Scheme CBCS Freshen)

Time : 3 Hours

Maximum Marks : 70

I. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक शब्द या वाक्य में लिखिए। (10×1=10)

1. डॉ. वशिष्ठ के सहायक का नाम क्या है?
2. मनोहर कौन हैं?
3. छाया हर सैटर डे किस के साथ शॉपिंग करने जाती थी?
4. लेखकों के सम्मेलन में कौन प्रतिनिधि होकर आया था?
5. अंबला-सौंघी कौन है?
6. छाया किसे सनकी कहती थी?
7. 'मन के यँवर' नाटक के नाटककार कौन है?
8. देवेंद्र किससे शादी करनेवाले थे?
9. भारत सरकार ने 'पद्मश्री' पुरस्कार से किसे सम्मानित किया था?
10. डॉक्टर साहब की पत्नी की सहेली के रूप में कौन आई थी?

P.T.O.



(2)

36303

**II निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं दो का संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए।**

(2×7=14)

1. हाँ नफरत, जब वह अपनी पत्नी से  
नफरत करेगा तो उसके मोह से  
विमुख हो जायेगा। तब उसे उसके  
भागने का दुःख नहीं होगा।

2. बाप रे बाप, भगवान जब देता है तो  
छप्पर फाड़ कर देता है।

3. अगर आज डॉक्टर साहब की पत्नी  
जीवित होती तो वह खुशी से  
पागल हो जाती।

**III. 1. नाटक के तीनों अंकों का परिचय देते हुए उसकी विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।**

(1×16=16)

अथवा

2. 'मन के भँवर'—नाटक के आधार पर डॉक्टर वशिष्ठ का चरित्र—चित्रण कीजिए।

**IV किन्हीं दो विषय पर टिप्पणी लिखिए।**

(2×5=10)

1. रवीश।

2. छाया।

3. मनोहर।



(3)

36303

V. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर विज्ञापन लिखिए।

(1×10=10)

1. मोबाइल फोन।
2. खाद्य और पेय पदार्थ।

VI. निम्नलिखित अनुच्छेद का उचित शीर्षक देते हुए एक तिहाई में संक्षिप्तकरण कीजिए। (1×10=10)

एक मुख्य व्यस्थित व्यापार साधारणतः ऐसे व्यक्ति या व्यक्तियों की साया है जिसमें नेतृत्व या निर्देशन की योग्यता तो जन्मजात है या उन्होंने प्राप्त कर ली है। इसलिए सफलता-चाहनेवाले व्यापारी के लिए यह जरूरी है कि वह पूर्णतः संतुलित और प्रतिभावान हो। उसे दूसरों के साथ स्थिरता, दृढ़ता और स्पष्टता का व्यवहार करने के लिए स्थिर बुद्धि होनी चाहिए। स्थिरता ऊँचे दर्जे के आत्मानुशासन से प्राप्त होती है। एक व्यापारी का प्रमुख और मुख्य गुण यह है कि वह यह जानता है कि वह किस विषय में बोल रहा है और उसका क्या आशय है। सही विचार पर ही सही कार्य का होना निर्भर है।

---